RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
23
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

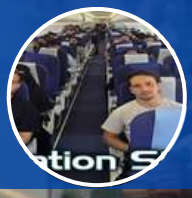

By Ankit Avasthi Sir

भारत ने हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए सौर-आधारित प्रौद्योगिकी विकसित की / India Develops Solar-Based Technology for Green Hydrogen Generation

संदर्भ:

भारतीय वैज्ञानिकों ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। बेंगलुरु स्थित **'सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (CeNS)'** के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा सोलर-चालित यंत्र विकसित किया है, जो कम लागत में हरित हाइड्रोजन (Green Hydrogen) का उत्पादन कर सकता है। यह तकनीक भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा का स्वरूप बदल सकती है।

क्या है यह नवाचार? (What Is the Innovation?)

भारतीय वैज्ञानिकों ने एक अगली पीढ़ी की डिवाइस विकसित की है, जो केवल सौर ऊर्जा का उपयोग कर पानी के अणुओं को विभाजित करके **ग्रीन हाइड्रोजन** उत्पन्न करती है। यह डिवाइस पूरी तरह से स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन पर आधारित है।

मुख्य विशेषताएं (Key Highlights):

1. **सौर-चालित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन:** यह डिवाइस किसी भी प्रकार के जीवाश्म ईंधन (fossil fuels) या दुर्लभ महंगे तत्वों (rare expensive materials) का उपयोग नहीं करती है।
2. **सस्ती और पृथ्वी पर उपलब्ध सामग्री:** डिवाइस में प्रयुक्त सभी तत्व आसानी से उपलब्ध हैं और लागत प्रभावी भी हैं।
3. **उन्नत फोटोएनोड तकनीक:** इसमें **n**-i-p हेटेरोजंक्शन आर्किटेक्चर (n-i-p heterojunction architecture) वाला सिलिकॉन-आधारित फोटोएनोड (silicon-based photoanode) उपयोग किया गया है, जो निम्नलिखित परतों से बना है:
    - **n-type TiO_2**
    - **intrinsic Si (undoped)**
    - **p-type NiO**
4. **उद्योग-तैयार निर्माण तकनीक:** इस डिवाइस को मैग्नेट्रॉन स्पटरिंग (magnetron sputtering) नामक तकनीक से तैयार किया गया है, जो बड़े पैमाने पर उत्पादन (scalable) के लिए उपयुक्त है।

मुख्य लाभ (Key Benefits):

- उच्च दक्षता (High Efficiency)
- कम ऊर्जा इनपुट (Low Energy Input)
- मजबूत टिकाऊपन (Robust Durability)
- लागत में किफायती (Cost-Effective)

महत्वपूर्णता (Significance) –: इस तकनीक का महत्व देश और दुनिया के ऊर्जा भविष्य के लिए बहुत बड़ा है:

- **उद्योगों को कार्बन मुक्त बनाना:** यह तकनीक हरित हाइड्रोजन (Green Hydrogen) बनाकर उन भारी उद्योगों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद करेगी, जहाँ उत्सर्जन रोकना अब तक बहुत मुश्किल रहा है।
- **भारत के हाइड्रोजन मिशन को मजबूती:** यह खोज भारत के *Hydrogen Economy* के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है, जो ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव का हिस्सा है।
- **नेट-जीरो लक्ष्य को समर्थन:** यह साफ ईंधन विकल्प (Clean Fuel) देकर भारत और विश्व के *Net-Zero Carbon Emission* लक्ष्य को हासिल करने में योगदान देगी।
- **वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में सहयोग:** यह डिवाइस सतत और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर वैश्विक बदलाव को गति देगी।

ग्रीन हाइड्रोजन क्या है?

ग्रीन हाइड्रोजन वह हाइड्रोजन है, जिसे इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया द्वारा उत्पन्न किया जाता है – यानी पानी को बिजली की मदद से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित किया जाता है। जब यह बिजली नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों (जैसे सौर ऊर्जा या पवन ऊर्जा) से प्राप्त की जाती है, तब यह हाइड्रोजन "ग्रीन हाइड्रोजन" कहलाता है।

ग्रीन हाइड्रोजन का महत्व:

1. **ऊर्जा सुरक्षा:** भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और चौथा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक है।
   ग्रीन हाइड्रोजन इस निर्भरता को कम करने में अहम भूमिका निभाएगा।
2. **औद्योगिक डीकार्बनाइजेशन:** स्टील, सीमेंट, अमोनिया और रिफाइनरी जैसे क्षेत्रों में जीवाश्म ईंधनों की जगह ले सकता है।
3. **स्वच्छ परिवहन:** हाइड्रोजन से चलने वाले **फ्यूल सेल वाहन**, **ट्रेन** और **जहाजों** को शक्ति प्रदान कर सकता है।
4. **ग्रिड स्थिरता:** यह **ऊर्जा संग्रहण माध्यम** की तरह काम करता है, जो सौर और पवन जैसे अस्थिर नवीकरणीय स्रोतों की कमी को संतुलित करता है।

भारत के लिए पेंशन प्रणाली / Pension System for India

संदर्भ:

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने भारत की पेंशन व्यवस्था को लेकर एक गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की पेंशन परिसंपत्तियाँ (Pension Assets) केवल GDP के 17% के बराबर हैं और देश के केवल 12% कार्यबल को ही पेंशन सुरक्षा प्राप्त है। जब देश की 85% आबादी अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत हो और 2050 तक निर्भरता अनुपात 30% तक पहुँचने की आशंका हो, तब एक समावेशी और संगठित पेंशन प्रणाली की आवश्यकता अत्यंत जरूरी हो जाती है।

भारत में पेंशन कवरेज की वर्तमान स्थिति (2024)

सामान्य स्थिति:

- भारत के कुल **पेंशन एसेट्स** GDP का केवल **17%** हैं, जबकि विकसित देशों में यह आंकड़ा **80%** के आसपास है।
- **सिर्फ 12% कार्यबल** ही औपचारिक पेंशन योजनाओं के दायरे में आता है।

कवरेज में असमानता:

- सरकारी और संगठित निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए कई पेंशन योजनाएं उपलब्ध हैं।
- असंगठित क्षेत्र के लोग मुख्यत: नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) और अटल पेंशन योजना (APY) पर निर्भर हैं।
- FY24 तक इन योजनाओं के माध्यम से केवल 5.3% आबादी को ही पेंशन सुरक्षा मिल पाई है।

भारत में समावेशी पेंशन प्रणाली की आवश्यकता

वृद्धजन निर्भरता में वृद्धि:

- **2050 तक**, भारत की Old-Age Dependency Ratio बढ़कर **30%** होने की संभावना है। इसका अर्थ है कि कामकाजी आबादी पर निर्भर बुजुर्गों की संख्या बढ़ेगी, जिससे **बुजुर्ग गरीबी संकट** का खतरा मंडराएगा।

गिग और असंगठित कार्यबल की चुनौतियाँ:

- भारत का **85% कार्यबल असंगठित क्षेत्र** से जुड़ा है, जो **GDP का 50% से अधिक योगदान** देता है। यह विशाल जनसंख्या आज भी औपचारिक पेंशन सुरक्षा के दायरे से **बाहर** है।

सभी के लिए वित्तीय सुरक्षा:

- सार्वभौमिक पेंशन प्रणाली निम्न-आय वाले परिवारों को वृद्धावस्था में सुरक्षा प्रदान करेगी।
- यह बचत को प्रोत्साहित करेगी और सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों पर निर्भरता कम करेगी।

सतत आर्थिक विकास का आधार:

- समावेशी पेंशन व्यवस्था भारत के **दीर्घकालिक आर्थिक स्थायित्व** के लिए अत्यंत आवश्यक है।
- यह भारत के **2047 तक विकसित राष्ट्र बनने** के लक्ष्य में **मौलिक भूमिका** निभा सकती है।

भारत की पेंशन प्रणाली की प्रमुख समस्याएँ:

1. **कम कवरेज (Low Coverage):**
   - भारत में केवल 12% कार्यबल (workforce) को पेंशन सुरक्षा प्राप्त है। NPS और APY मिलकर केवल 5.3% आबादी तक ही पहुँच पाते हैं।
2. **विखंडन:** कई समानांतर योजनाएं होने से **जटिलता और अकार्यक्षमता** बढ़ जाती है।
3. **स्वैच्छिक भागीदारी (Voluntary Opt-In):**
   - **APY योजना स्वैच्छिक** है।
   - **वित्तीय साक्षरता की कमी** और जागरूकता की कमजोरी इसके व्यापक उपयोग में बाधा हैं।
4. **पेंशन की अपर्याप्तता:** Mercer Global Pension Index में भारत का Adequacy Score 2023 में 41.9 था, जो 2024 में घटकर 34.2 हो गया।
5. **राजकोषीय स्थिरता:** जनसांख्यिकीय बदलाव (aging population) के कारण **Asset-Liability Mismatch** की आशंका है, जिससे भविष्य में **पेंशन फंड की स्थिरता** खतरे में पड़ सकती है।

भारत सरकार की प्रमुख पहलें:

नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS):

- यह एक **स्वैच्छिक और बाजार से जुड़ी योजना** है।
- अब तक यह योजना **भारत के GDP का 4.5%** एसेट कवर करती है।

अटल पेंशन योजना (APY):

- **असंगठित क्षेत्र** के लिए बनी योजना।
- FY24 तक **629 लाख से अधिक सब्सक्राइबर**।
- इनमें से **93.7% लोगों** ने ₹1,000/माह की पेंशन का विकल्प चुना, affordability के कारण।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS):

- अगस्त 2024 में शुरू की गई यह योजना सरकारी कर्मचारियों के लिए है। यह पुराने और नए पेंशन सिस्टम का समावेश करती है।
- न्यूनतम पेंशन ₹10,000/माह सुनिश्चित की गई है।

महिला समावेशन: APY में महिला भागीदारी FY16 में 37.9% थी, जो FY24 में बढ़कर 52% हो गई।

भारत में इस्पात उद्योग / Steel Industry in India

संदर्भ:

हाल ही में इस्पात मंत्रालय (Ministry of Steel) ने भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) की गुणवत्ता संबंधी मानकों को स्टील के कच्चे माल और आयात पर भी लागू कर दिया है। खास बात यह रही कि उद्योग से जुड़े पक्षों को इन नए नियमों के अनुपालन के लिए मात्र एक कार्य दिवस से भी कम समय दिया गया, जिससे उद्योग में अचानक चिंता और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है।

भारत का स्टील क्षेत्र (India's Steel Sector)

महत्वपूर्ण भूमिका (Significance):

- स्टील औद्योगिकीकरण का एक प्रमुख स्तंभ है और इसे **आर्थिक विकास की नींव** माना जाता है।
- यह एक **कच्चा माल (raw material)** और **मध्यवर्ती उत्पाद (intermediate product)** दोनों के रूप में कार्य करता है।
- किसी देश में स्टील का **उत्पादन और उपभोग** उसकी आर्थिक प्रगति का संकेत होता है।

भारत में स्टील उद्योग की श्रेणियाँ:

1. **Major Producers** – जैसे सेल (SAIL), टाटा स्टील
2. **Main Producers** – बड़े निजी क्षेत्र के उत्पादक
3. **Secondary Producers** – छोटे एवं मध्यम आकार के प्लांट, री-रोलिंग मिल्स आदि

वर्तमान स्थिति (Present Status):

दुनिया में दूसरा स्थान: भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा कच्चा स्टील उत्पादक देश है।

- **FY 2023-24 में उत्पादन:** 144.3 मिलियन टन कच्चा स्टील।

नेट आयातक की स्थिति: वर्ष 2023-24 में भारत नेट इम्पोर्टर रहा (आयात > निर्यात)।

- **निर्यात:** 7.49 मिलियन टन
- **आयात:** 8.32 मिलियन टन

अर्थव्यवस्था में योगदान: स्टील क्षेत्र भारत के GDP में लगभग 2% का योगदान करता है।

भारत के स्टील क्षेत्र की चुनौतियाँ और चिंताएँ-

प्रमुख चुनौतियाँ (Key Challenges):

1. **चीनी स्टील निर्यात की बाढ़:**
   - **सस्ते चीनी स्टील** के आयात में तेज़ वृद्धि ने भारत के **घरेलू स्टील की कीमतों** पर दबाव डाला है।
   - इससे भारत की **निर्यात प्रतिस्पर्धा (export competitiveness)** भी कमजोर हुई है।
2. **डंपिंग का खतरा:** भारतीय स्टील निर्माता चेतावनी दे रहे हैं कि यदि सुरक्षात्मक उपाय जैसे साफगार्ड ड्यूटी (safeguard duties) नहीं लगाए गए, तो भारत वैश्विक स्टील अधिशेष (global steel surpluses) का डंपिंग ग्राउंड बन सकता है।
3. **नीतिगत समर्थन की कमी:** स्टील उद्योग को सरकार की ओर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा, जिससे उनकी लागत और प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो रही है।
4. **अचानक नीति बदलाव:** कई नीतिगत निर्णय बिना पूर्व सूचना के लागू किए जा रहे हैं, जिससे उद्योग को तैयारी का समय नहीं मिल पाता और असंतोष फैलता है।

ऑपरेशन मिडनाइट हैमर/ Operation Midnight Hammer

संदर्भ:

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई दो सप्ताह की चेतावनी के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ एक बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया, जिसे **"ऑपरेशन मिडनाइट हैमर" (Operation Midnight Hammer)** नाम दिया गया। इस ऑपरेशन के तहत अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों—**फोर्डो, नतांज और इस्फहान**—पर एक साथ हमला किया।

- अमेरिका सेना ने इस हमले में **B 2 बमवर्षक, बंकर बस्टर बम का उपयोग** किया ।

अमेरिका B-2 बमवर्षक?

अमेरिका का B-2 स्पिरिट एक स्टील्थ बमवर्षक जेट है, जिसे गहराई में स्थित लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए तैयार किया गया है। यह पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जाने में सक्षम है।

मुख्य क्षमताएं:

बंकर बस्टर बम ले जाने में सक्षम:

- B-2 एक साथ दो GBU-57 Massive Ordnance Penetrator (MOP) बम ले सकता है।
- प्रत्येक बम का वजन 30,000 पाउंड (13.5 टन) होता है।
- यह बम ईरान की फोर्डो जैसी गहराई में स्थित परमाणु सुविधाओं को भेदने के लिए बनाए गए हैं।

GBU-57 की शक्ति:

- यह बम 60 फीट की ठोस कंक्रीट या 200 फीट गहरी मिट्टी में घुसकर लक्ष्य को नष्ट कर सकता है।
- एक मिशन में B-2 दो GBU-57 के ज़रिए दो लक्ष्यों को एक साथ भेद सकता है।

स्टील्थ टेक्नोलॉजी:

- B-2 को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि रेडार और थर्मल सेंसर्स से बच सके।
- फ्लाइंग विंग डिजाइन, रेडार-अवशोषक मटेरियल, और कम इन्फ्रारेड सिग्नेचर इसे लगभग अदृश्य बनाते हैं।
- इसका रेडार क्रॉस सेक्शन महज 0.001 वर्ग मीटर है – जो एक छोटे पक्षी के बराबर है।

ऑपरेशनल रेंज और क्षमता:

- B-2 बमवर्षक 40,000 पाउंड तक हथियार ले जा सकता है।
- यह बिना रीफ्यूलिंग के 6,000 मील (लगभग 9,650 किमी) की उड़ान भर सकता है।
- इसे दो पायलट संचालित करते हैं।
- पहली बार 1997 में इसे सेना में शामिल किया गया था।

GBU-57 MOP क्या है?

- यह एक अत्यंत शक्तिशाली गाइडेड बंकर बस्टर बम है।
- इसे अमेरिकी रक्षा विभाग और बोइंग कंपनी ने मिलकर विकसित किया है।
- इसका उपयोग जमीन के नीचे स्थित अत्यधिक सुरक्षित ठिकानों को नष्ट करने के लिए किया जाता है, जैसे – परमाणु संयंत्र या कमांड सेंटर।

GBU-57 MOP की तकनीकी विशेषताएं:

- **वजन:** 13,600 किलोग्राम (30,000 पाउंड)
- **लंबाई:** 20.5 फीट (6.25 मीटर)
- **विस्फोटक सामग्री:** 5,300 पाउंड (2,400 किग्रा)
- मार्गदर्शन प्रणाली: GPS आधारित उच्च सटीकता प्रणाली
- **पैठ क्षमता:** 60 फीट मोटी कंक्रीट या 200 फीट गहराई तक मिट्टी भेदने की क्षमता
- **वाहक विमान:** केवल B-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर इसे ले जा सकता है (एक बार में दो बम)

अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों किया ?

अमेरिका ने ईरान पर हमला इसलिए किया क्योंकि ईरान पर **गुप्त रूप से परमाणु हथियार** विकसित करने का आरोप था। चेतावनी देने के बाद भी ईरान ने अपना कार्यक्रम नहीं रोका। इससे अमेरिका को अपनी सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा महसूस हुआ, जिसके चलते "ऑपरेशन मिडनाइट हैमर" के तहत हमला किया गया।

परिणाम (Consequences)

- हमले के बाद दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए हैं।
- हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य को ईरान बंद कर सकता है – जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होगी और तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है।
- मध्य पूर्व में युद्ध का खतरा बढ़ गया है।
- संयुक्त राष्ट्र में आपातकालीन चर्चा की मांग – वैश्विक शांति बनाए रखने के लिए यूएन की भूमिका जरूरी हो गई है।
- शरणार्थी संकट गहरा सकता है – युद्ध की स्थिति में लाखों लोग अपने देश से पलायन करने को मजबूर हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना / PMGSY

संदर्भ:

हाल ही में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के तहत बनी सड़कों की निगरानी और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक नया निर्देश जारी किया है। इसके तहत सभी रखरखाव सूचना डिस्प्ले बोर्डों पर **QR कोड** लगाना अनिवार्य किया गया है, जिससे सड़क की स्थिति, मरम्मत और जिम्मेदार एजेंसी की जानकारी आसानी से आम जनता को मिल सकेगी।

परियोजना के बारे में-

- **उद्देश्य**: ग्रामीण सड़कों की **गुणवत्ता और रखरखाव** पर **जनता की प्रतिक्रिया (Public Feedback)** प्राप्त करना।

प्रक्रिया:

- नागरिक सड़कों की फोटो भेज सकते हैं।
- ये फोटो नियमित निरीक्षण में शामिल की जाएंगी।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग (ML) तकनीकों से इन फोटो का विश्लेषण किया जाएगा ताकि प्रदर्शन मूल्यांकन अंक दिए जा सकें।
- PE अंक देते समय सभी कार्यान्वयन इकाइयों को इन फोटो की सत्यता जांचनी होगी।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना;

भारत सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सभी मौसमों में चलने वाली सड़कों के निर्माण के लिए एक राष्ट्रव्यापी योजना है। इसका उद्देश्य 500 या उससे अधिक (आदिवासी क्षेत्रों में 250 या उससे अधिक) की आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों को बारहमासी सड़क संपर्क प्रदान करना है.

योजना का उद्देश्य:

- ग्रामीण क्षेत्रों में असंबद्ध बस्तियों को बारहमासी सड़क संपर्क प्रदान करना. ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के नेटवर्क में सुधार करना.
- अस्पताल, बाजार, स्कूल और स्वास्थ्य सेवाओं तक ग्रामीणों की पहुंच को सुगम बनाना.
- ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना.

योजना की मुख्य बातें:

- यह योजना 2000 में शुरू की गई थी.
- इसका कार्यान्वयन ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है.
- इस योजना के तहत, 500 या उससे अधिक (पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्रों में 250 या उससे अधिक) की आबादी वाले गांवों को बारहमासी सड़कों से जोड़ा जाता है.

सहायता प्राप्त (Assisted) मृत्यु बिल

संदर्भ:

ब्रिटेन की संसद के निचले सदन **हाउस ऑफ कॉमन्स** ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ऐसे वयस्क मरीजों के लिए मदद से मृत्यु (Assisted Dying) को कानूनी मान्यता देने वाला विधेयक पारित कर दिया है।

Assisted Dying क्या है?

Assisted Dying का अर्थ है - किसी व्यक्ति का जीवन **जानबूझकर समाप्त करना** ताकि उसकी **पीड़ा को कम किया जा सके**। इसमें मुख्यत: दो प्रकार शामिल होते हैं:

Assisted Suicide (सहायता प्राप्त आत्महत्या)-

- जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे की सहायता से स्वयं अपनी जान लेता है।
- उदाहरण: किसी बीमार व्यक्ति को जानबूझकर ज़हर या दवा उपलब्ध कराना।

Euthanasia (इच्छामृत्यु): जब कोई तीसरा व्यक्ति (आमतौर पर चिकित्सक) किसी मरीज का जीवन सक्रिय रूप से समाप्त करता है।

बिल के मुख्य प्रावधान

पात्रता (Eligibility)

- व्यक्ति की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
- मानसिक रूप से सक्षम (Mentally Competent) होना अनिवार्य है।
- इंग्लैंड या वेल्स में कम से कम 12 महीने से निवास कर रहा हो।
- व्यक्ति को ऐसा असाध्य (Terminal) रोग होना चाहिए जिससे 6 महीने के भीतर मृत्यु होने की संभावना हो।
- केवल मानसिक बीमारी या शारीरिक अक्षमता से ग्रसित व्यक्ति इसके पात्र नहीं माने जाएंगे।

भारत में स्थिति-

- **निष्क्रिय इच्छामृत्यु (Passive Euthanasia):**
  - **वैध है** - *Common Cause बनाम भारत संघ (2018)* के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के तहत।
  - **अनुच्छेद 21** - *"गरिमा के साथ मरने का अधिकार (Right to Die with Dignity)"* के अंतर्गत मान्यता प्राप्त।
- **सक्रिय इच्छामृत्यु (Active Euthanasia)** और **सहायता प्राप्त आत्महत्या (Assisted Suicide)** अभी भी **अवैध** हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन / EV

संदर्भ:

भारत इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में तेज़ी से उभर रहा है। हालिया अनुमानों के अनुसार, **भारत 2030 तक दुनिया का चौथा सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक कार निर्माता** बन जाएगा, केवल **चीन, यूरोपीय संघ (EU) और अमेरिका** के पीछे। यह उपलब्धि भारत के सतत विकास, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बढ़ते कदमों का संकेत है।

Electric Vehicle (EV) क्या है?

- इलेक्ट्रिक वाहन (EV) वे वाहन हैं जो पेट्रोल या डीज़ल इंजन की जगह इलेक्ट्रिक मोटर से चलते हैं।
- इनमें बैटरी होती है, ईंधन टैंक और आंतरिक दहन इंजन (ICE) की जगह।
- यह वाहन बिजली से चार्ज होते हैं और प्रदूषण रहित होते हैं।

अध्ययन की मुख्य बिन्दु-

EV उत्पादन और मांग:

- भारत की EV उत्पादन क्षमता 2024 में 0.2 मिलियन यूनिट से बढ़कर 2030 तक 2.5 मिलियन यूनिट तक पहुँचने की संभावना है।
- घरेलू मांग 2030 तक 0.4 से 1.4 मिलियन यूनिट रहने की उम्मीद है।
- इससे भारत में 1.1–2.1 मिलियन यूनिट का अधिशेष (surplus) होगा, जिससे निर्यात (exports) की संभावना बढ़ेगी।

बिक्री और बाजार:

- **2030 तक** भारत में कुल कार बिक्री में से **7% से 23% तक** EVs की हिस्सेदारी हो सकती है।
- 2024 में भारत में EV की पैठ (penetration) केवल **2%** रही, जबकि
    - **वियतनाम में** यह **2022 में 3% से बढ़कर 2024 में 17%** हो गई।

आयात शुल्क और संरक्षण नीति:

- भारत **पूर्ण रूप से बने EV (CBU)** पर **70%–100% तक का आयात शुल्क** लगाता है ताकि **घरेलू निर्माताओं की रक्षा** की जा सके।
- फिलहाल भारत की लगभग **100% EV उत्पादन** केवल **घरेलू बाजार** के लिए है।

बैटरी सेल उत्पादन: 2030 तक, भारत की बैटरी सेल उत्पादन क्षमता दक्षिण कोरिया, जापान और मलेशिया से भी अधिक हो जाएगी।

कुक द्वीप समूह / Cook Islands

संदर्भ:

न्यूज़ीलैंड ने हाल ही में **कुक द्वीपसमूह को दी जा रही करोड़ों डॉलर की सहायता राशि पर रोक लगा दी है**, जिसका कारण कुक द्वीपों के **चीन के साथ बढ़ते संबंधों को लेकर बढ़ती चिंता** बताई जा रही है। यह फैसला प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कुक द्वीप समूह (Cook Islands) के बारे में

राजनीतिक स्थिति (Political Status)

- स्वशासी राष्ट्र (Self-Governing) है जो न्यूज़ीलैंड के साथ स्वतंत्र संघ (Free Association) में है।
- 1901 से 1965 तक यह न्यूज़ीलैंड का आश्रित उपनिवेश (Dependent Colony) था।
- कुक द्वीप समूह के नागरिक, न्यूज़ीलैंड के भी नागरिक होते हैं।

प्रशासनिक केंद्र:

- **राजधानी:** Avarua (अवारुआ)
- यह Rarotonga (रारोटोंगा) द्वीप पर स्थित है।

भूगोल:

- **स्थान:** पोलिनेशिया, ओशिनिया, दक्षिण प्रशांत महासागर में।
- न्यूज़ीलैंड के उत्तर-पूर्व में, अमेरिकन समोआ और फ्रेंच पोलिनेशिया के बीच स्थित है।
- इसमें 15 द्वीप शामिल हैं, जो ज्वालामुखीय गतिविधि से बने हैं।
- कुल भूमि क्षेत्रफल लगभग 236.7 वर्ग किलोमीटर है।

SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
Pathshala
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

CALL CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: